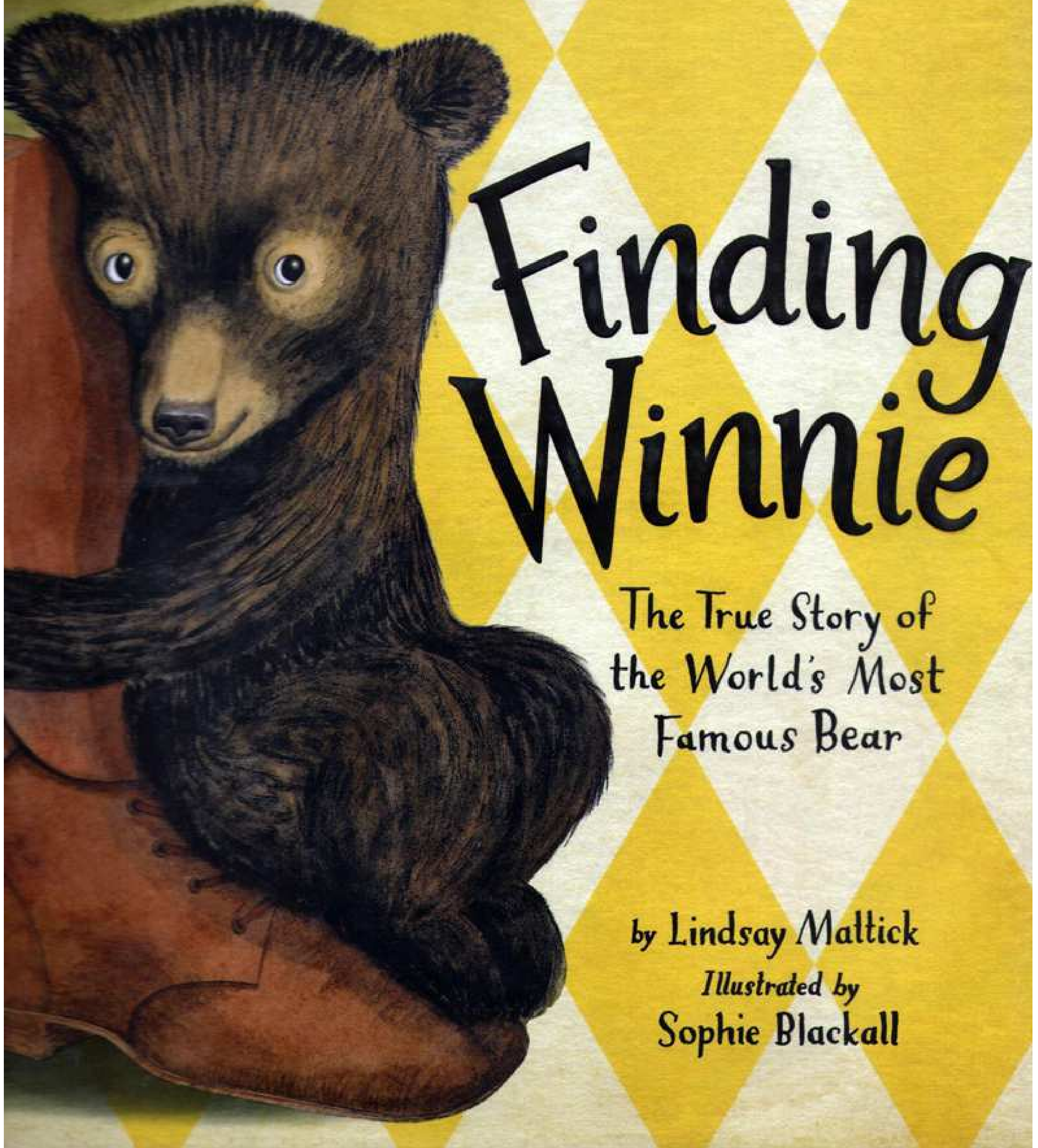
विन्नी की खोज

दुनिया के सबसे मशहूर भालू की सच्ची कहानी



विन्नी-द-पूह से पहले, विन्नी नाम का एक असली भालू था.

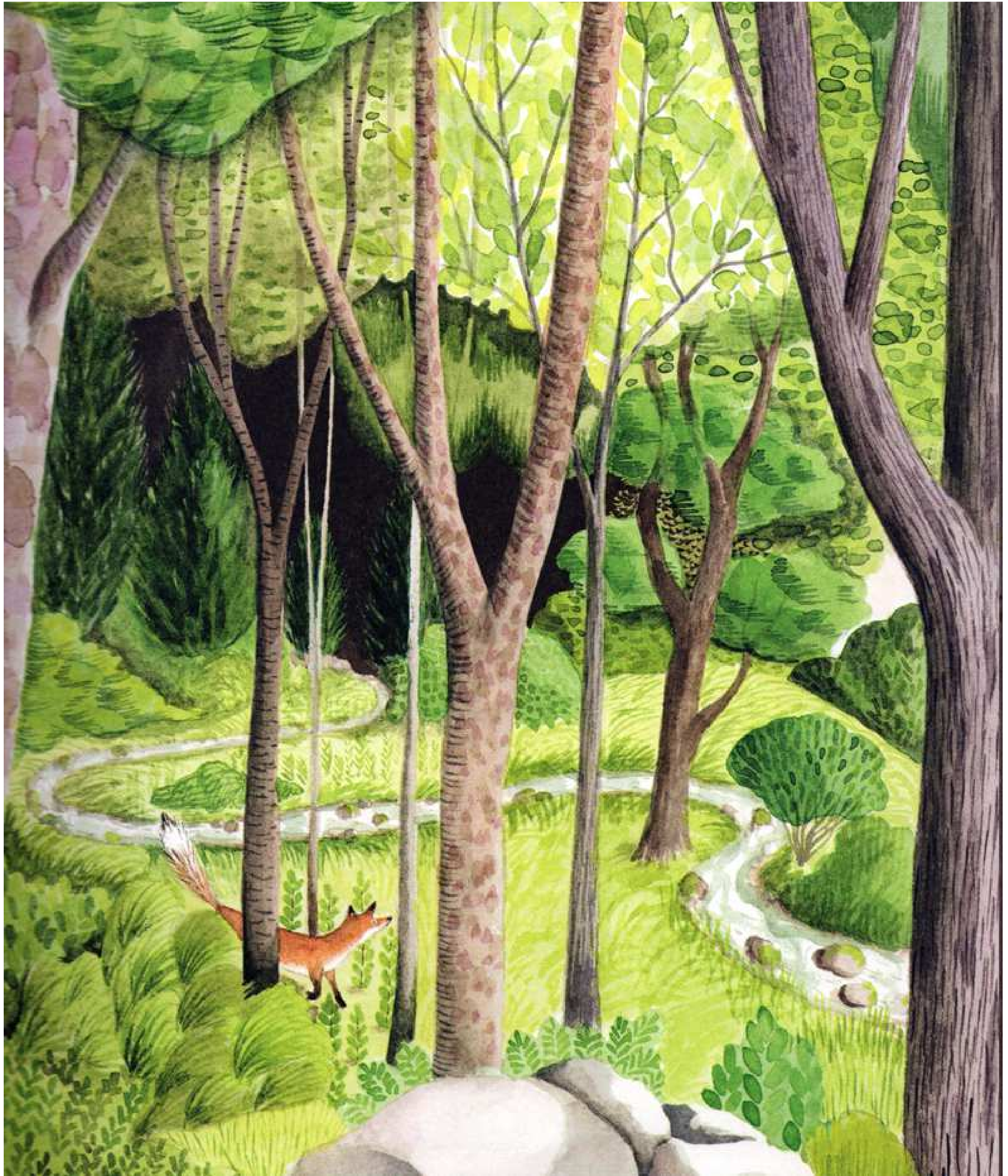
1914 में, एक पशु-चिकित्सक - हैरी कोलबौर्न प्रथम महायुद्ध के दौरान घोड़ों के इलाज के लिए यात्रा कर रहे थे. ट्रेन से यात्रा करते समय उन्हें एक स्टेशन पर एक शिकारी मिला जिसके पास एक भालू का बच्चा था. हैरी ने उस भालू के बच्चे को खरीद लिया और कनाडा में अपने शहर - विन्नीपिग के नाम पर, उसे "विन्नी" नाम दे डाला. हैरी, विन्नी को युद्ध के मैदान में भी ले गए.

यहाँ पर हैरी की पोती की बेटी, उनके जीवन की सच्ची और गज़ब की दास्ताँ बयां कर रही हैं.

अंत में हैरी, विन्नी को, लन्दन के चिड़ियाघर को सौंप देते हैं. वहां विन्नी की मुलाक़ात एक नए दोस्त से होती है - वो एक असली लड़का था और उसका नाम था - क्रिस्टोफ़र रोबिन. क्रिस्टोफ़र के पिता ए. ए. मिल्नस, बच्चों की किताबों के प्रसिद्ध लेखक थे. विन्नी से प्रेरित होकर उन्होंने "विन्नी-द-पूह" नाम का पात्र रचा.









विन्नी की खोज

दुनिया के सबसे मशहूर भालू की सच्ची कहानी

लिंडसे मेटिक

चित्र : सोफी ब्लैकआल



"माँ, मुझे एक कहानी सुनाओ," कोल ने आग्रह किया.
"अब बहुत देर हो गयी है." बाहर अँधेरा हो गया है,
और सोने का वक़्त हो गया है.
"किस तरह की कहानी?"
"आपको पता है - वो सच्ची कहानी. वही नन्हें भालू की कहानी."
फिर वो मेरे और करीब आकर चिपक जाता है.
"मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगी," मैंने उससे कहा.



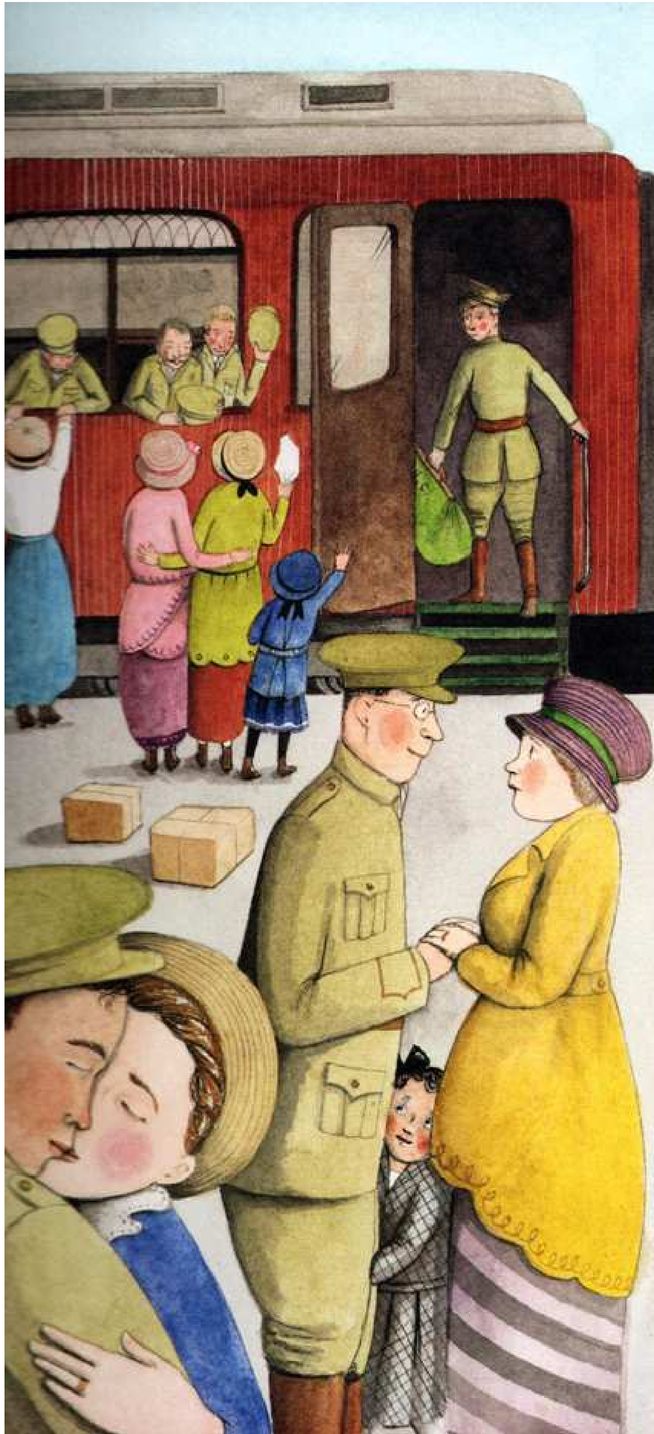
बहुत समय पहले की बात है, तुम्हारे पैदा होने से कोई सौ बरस पहले एक वेटरनेरियन यानि पशु-चिकित्सक था जो विन्नीपिग में रहता था.
उसका नाम था - हैरी कोलबौर्न.

“क्या वेटरनेरियन,” कोल ने कहा. “भालुओं को वेजीटेबल्स यानि सब्जियां नापसंद हैं.”
“वेटरनेरियन का मतलब होता है जानवरों का डॉक्टर.”
“मुझे पता है!” कोल ने जवाब दिया.
“बड़े होकर मैं वही बनूँगा.”

अगर किसी घोड़े को हिचकी या गाय को खांसी आती, तो हैरी उसका तुरंत इलाज करना जानता था. हैरी के दोनों हाथ हमेशा गर्म रहते थे, जबकि विन्नीपिग जहाँ वो रहता था वहां ऐसी कड़ाके की सर्दी पड़ती थी - कि कभी-कभी नाक के अन्दर का पानी भी जम जाता था. हैरी, जानवरों का बहुत कुशल डॉक्टर था.



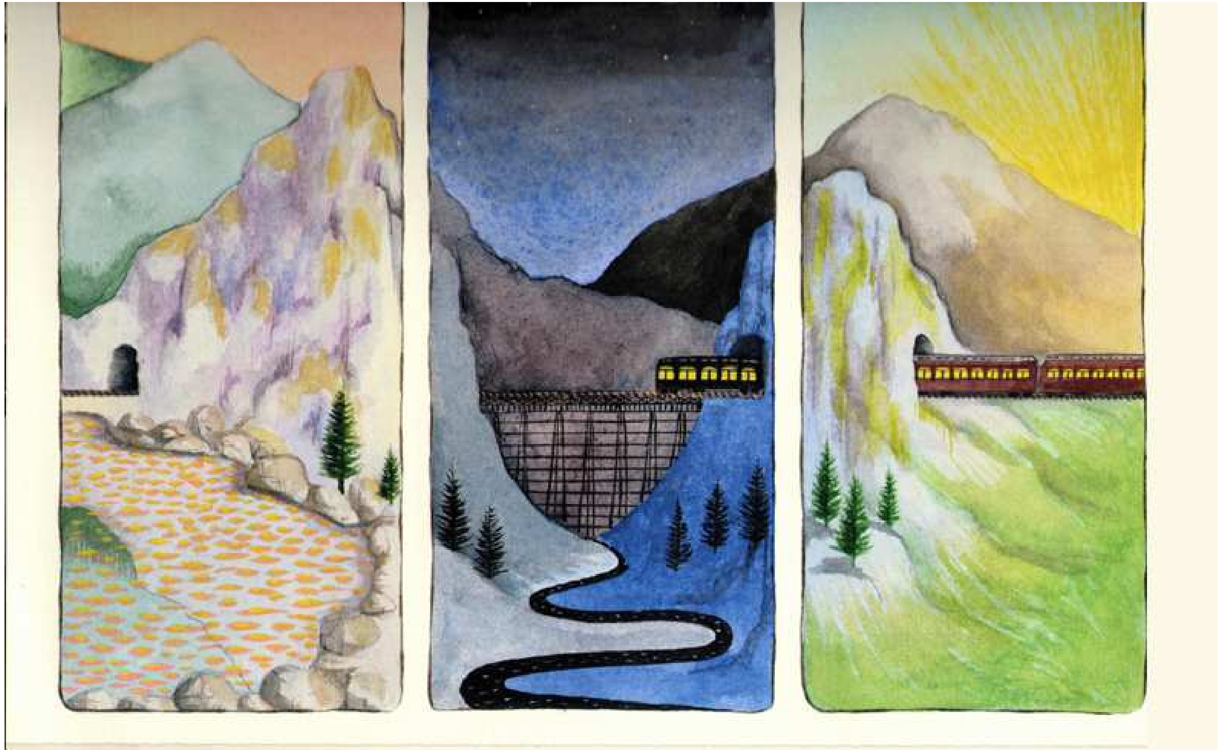




पर एक दिन ऐसा आया जब हैरी को अपने प्यारे शहर विन्नीपिग से अलविदा कहना पड़ा. कहीं बहुत दूर - उसके देश कनाडा से बहुत दूर, महासागर के उस पार भयानक युद्ध चल रहा था. हैरी को वहां लड़ाई में मदद के लिए जाना था. वहां जाकर उसे फौजी घोड़ों की सेहत की देखभाल करनी थी.

इसलिए हैरी, सैनिकों से भरी एक ट्रेन में चढ़कर पूर्व दिशा की ओर रवाना हुआ. वो टकटकी लगाए खिड़की के बाहर खेत-खलिहानों को गुज़रते देखता रहा. घर छोड़कर इतनी दूर जाने, से वो नाखुश था.





दोपहर के खाने के बाद शाम हो गयी और और फिर रात. पर ट्रेन लगातार, बिना रुके चलती ही रही. जब हैरी सोकर उठा तो सुबह हो चुकी थी. तभी ट्रेन वाइट रिवर नाम के स्टेशन पर रुकी.

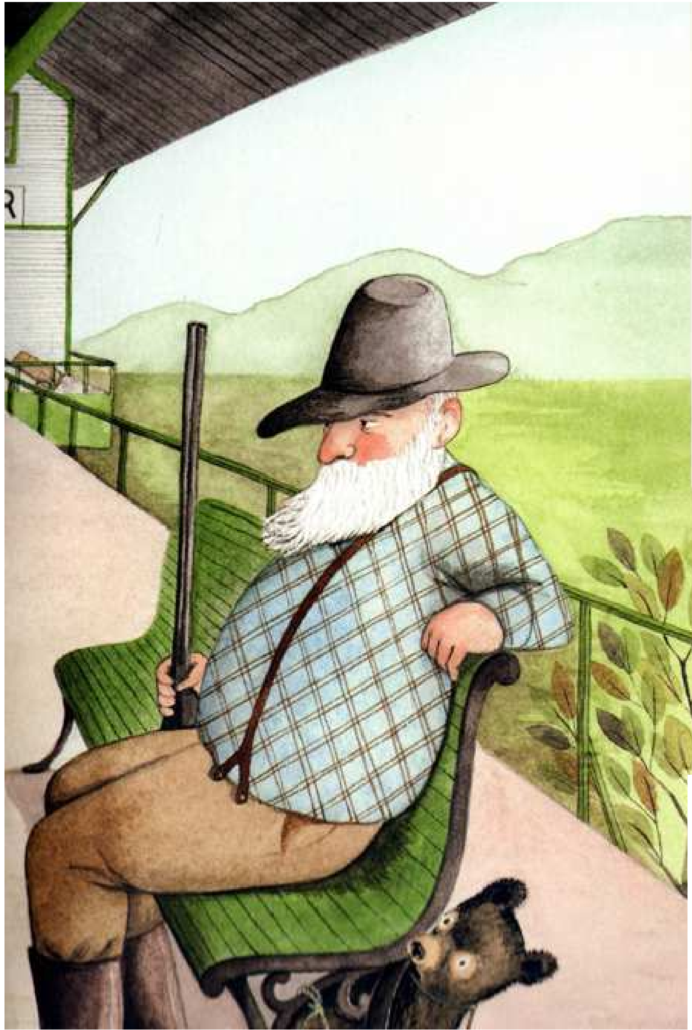
हैरी चहल-कदमी करने के लिए प्लेटफार्म पर उतरा.

प्लेटफार्म की बेन्च पर एक आदमी बैठा था. उसके पास एक बच्चा था.

“एक बच्चा?” कोल ने झुंझलाते हुए पूछा.




2214
WHIT



नहीं एक भालू का बच्चा. नन्हा भालू. हैरी वहीँ रुक गया.

ऐसे दिन कभी-कभी ही आते हैं जब ट्रेन स्टेशन पर भालू का बच्चा दिखे. “शायद उस भालू के बच्चे की माँ मर गयी हो,” उसने सोचा, “इसीलिये वो शिकारी, भालू के बच्चे को पकड़ पाया.”



“शिकारी क्या करते हैं?” कोल ने पूछा.
“शिकारी भालू के बच्चे की परवरिश नहीं करते हैं.”
“परवरिश करना? मतलब?”
“तुम्हें पता होना चाहिए,” मैंने कहा, “वो उन्हें प्यार नहीं करते.”

हैरी ने कुछ देर सोचा. फिर उसने खुद से कहा, "उस भालू के बच्चे में कुछ ख़ास बात है." कुछ समय तक वो गहरे सोच में इधर-उधर चहल-कदमी करता रहा. "करूँ, या न करूँ?" पर अंत में उसके दिल ने निर्णय लिया. फिर उसने शिकारी के पास जाकर कहा, "मैं तुम्हें इस भालू के बच्चे के बदले 20 डॉलर दूंगा."





"क्या 20 डॉलर बहुत ज्यादा होते हैं?" कोल ने पूछा.
"उस ज़माने में," मैंने कहा,
"20 डॉलर बहुत बड़ी रकम थी."





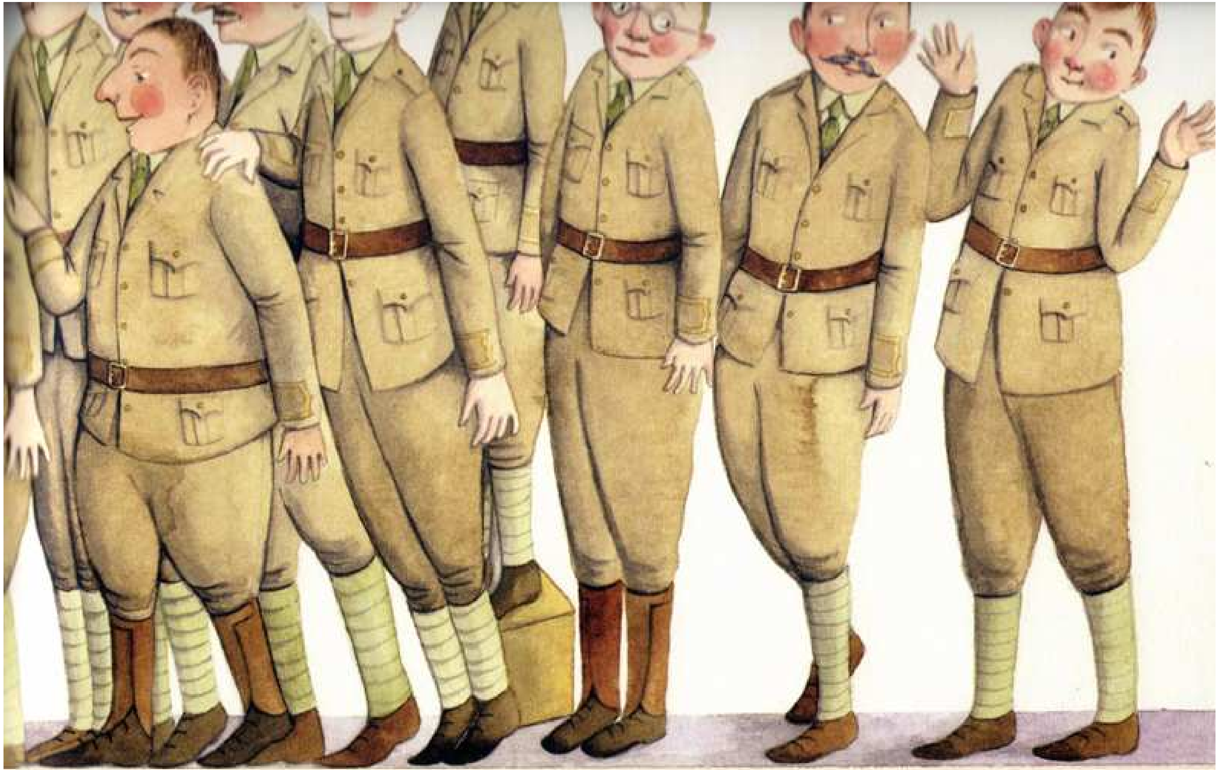








ट्रेन में जब भालू कर्नल की पतलून सूंघने लगा तब कर्नल ने कहा, “कप्तान कोलबौर्न! हम लोगों को हजारों मील की यात्रा कर, सीधे युद्ध के मैदान में जाना है. तुम इस खतरनाक जानवर को भला अपने साथ कैसे ले जा सकते हो?”



तभी नन्हा भालू दोनों पैरों के बल खड़ा हो गया और ऐसा लगा जैसे वो कर्नल को सलूट कर रहा हो. तब कर्नल का गुस्सा एकदम रफूचक्कर हो गया और उसने अलग सी आवाज़ में कहा, "हेलो."

हैरी के रेजिमेंट के तमाम लोग इस नज़ारे को देखने के लिए इकट्ठे हो गए.

"मैंने इसका नाम विन्नी रखा है," हैरी ने उनसे कहा, "यह नाम हमें अपने शहर - विन्नीपिग की हमेशा याद दिलाता रहेगा."



उन्हें बहुत लम्बी यात्रा तय करनी थी. कुछ ही देर बाद विन्नी को जोर की भूख लगी.

"भालू क्या खाते हैं?" लोगों ने अचरज से पूछा. "यह पूछना बेहतर होगा कि भालू क्या नहीं खाते हैं?" हैरी ने कहा.



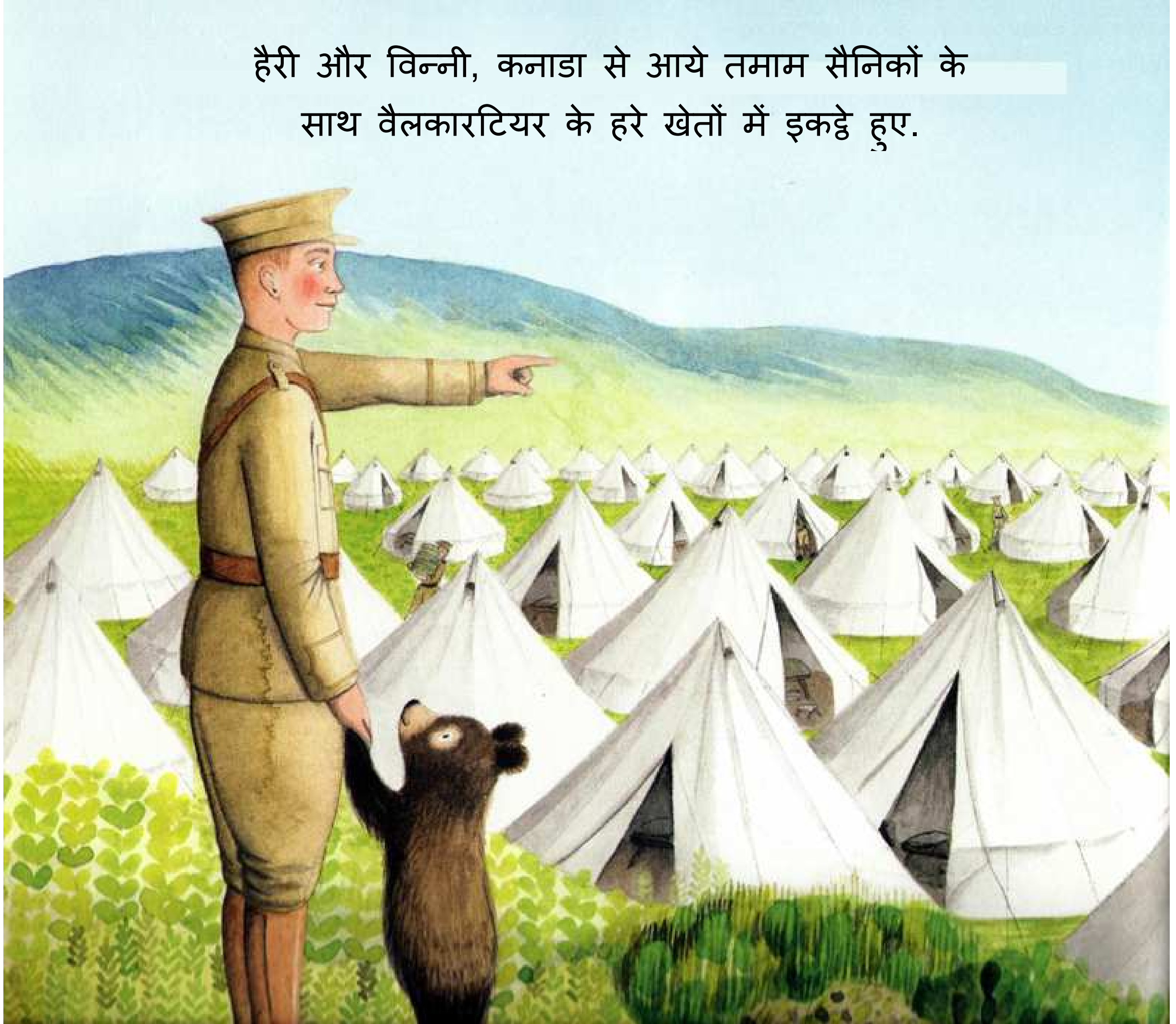
"सब्जियां," कोल ने मुझे याद दिलाते हुए कहा.

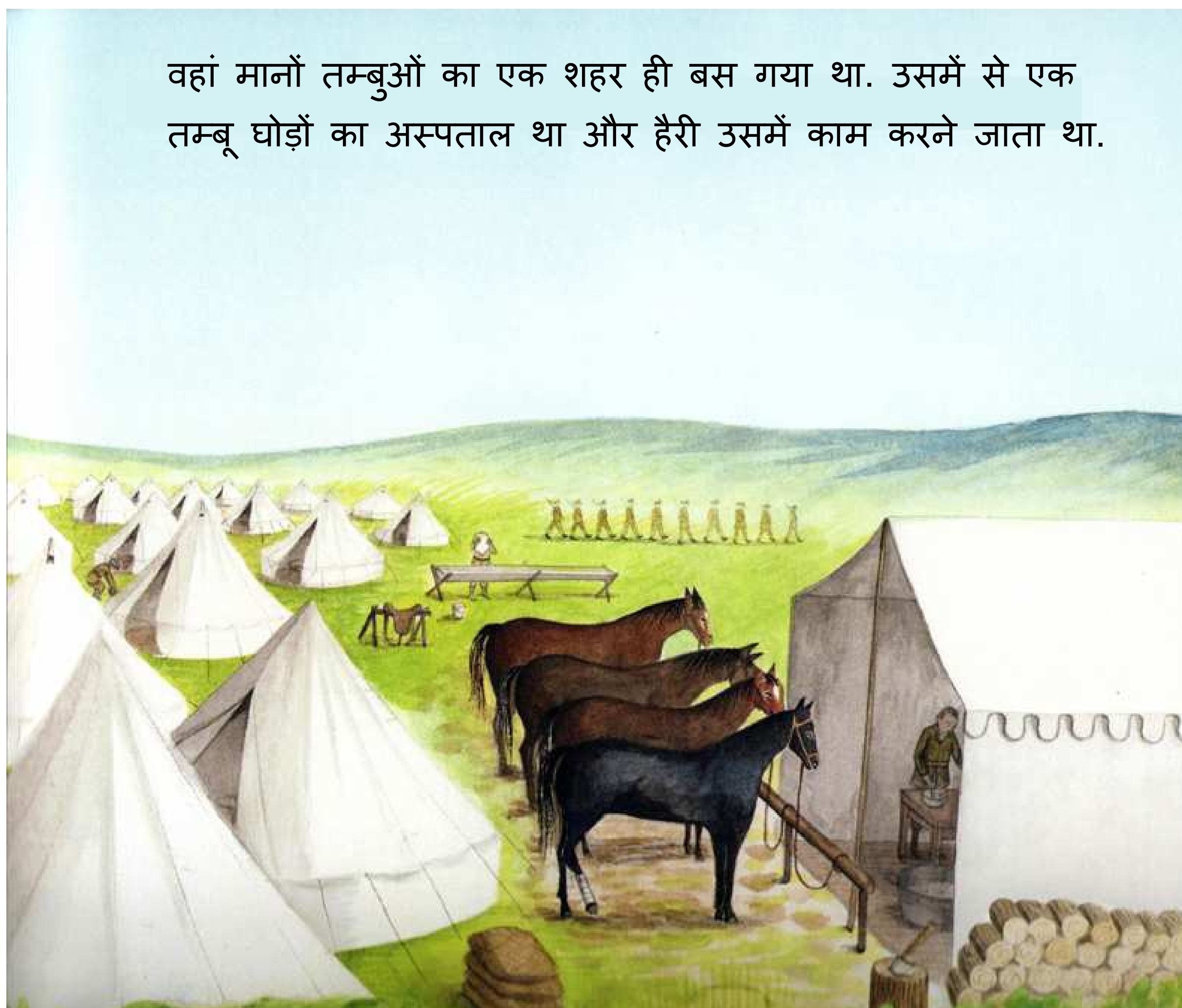
"विन्नी, खूब सब्जियां खाता था," मैंने कहा. "वो प्याज़ को छोड़कर बाकी सभी सब्जियां खाता था."

फिर विन्नी के लिए गाजर और आलू, सेब और टमाटर, अंडे, बीन्स और ब्रेड लाई गयी. विन्नी ने एक टिन मछली भी खाई पर फिर भी विन्नी की भूख नहीं मिटी.

"क्या मिठाई खाओगे?" हैरी ने पूछा, और फिर उसने विन्नी को एक डिब्बा कंडेंस्ड मिल्क का दिया. विन्नी ने डिब्बे को अपने हाथों में पकड़ कर आराम से लेट कर दूध पिया. लेटे-लेटे उसने एक गाना भी गुनगुनाया. उसे देखकर सभी लोग खिलखिलाकर हँसे.




हैरी और विन्नी, कनाडा से आये तमाम सैनिकों के
साथ वैलकारटियर के हरे खेतों में इकट्ठे हुए.


वहां मानों तम्बुओं का एक शहर ही बस गया था. उसमें से एक
तम्बू घोड़ों का अस्पताल था और हैरी उसमें काम करने जाता था.

विन्नी भी अब फौज का हिस्सा बन चुका था. हैरी ने उसे दोनों पैरों पर सीधे खड़े होकर सिर एक ओर घुमाना सिखाया. जल्द ही विन्नी के बैठने की लिए एक लकड़ी का मोटा खम्भा भी गाढ़ा गया.

कर्नल साहिब का भी मानना था कि विन्नी एक विलक्षण भालू था. शायद पूरी फौज में वो सबसे चतुर दिशा-निर्देशक था. अगर किसी ने कोई चीज़ छिपाई हो तो विन्नी उसका ज़रूर पता लगा लेता था. उसमें चीज़ें खोज लेने का कमाल का हुनर था.





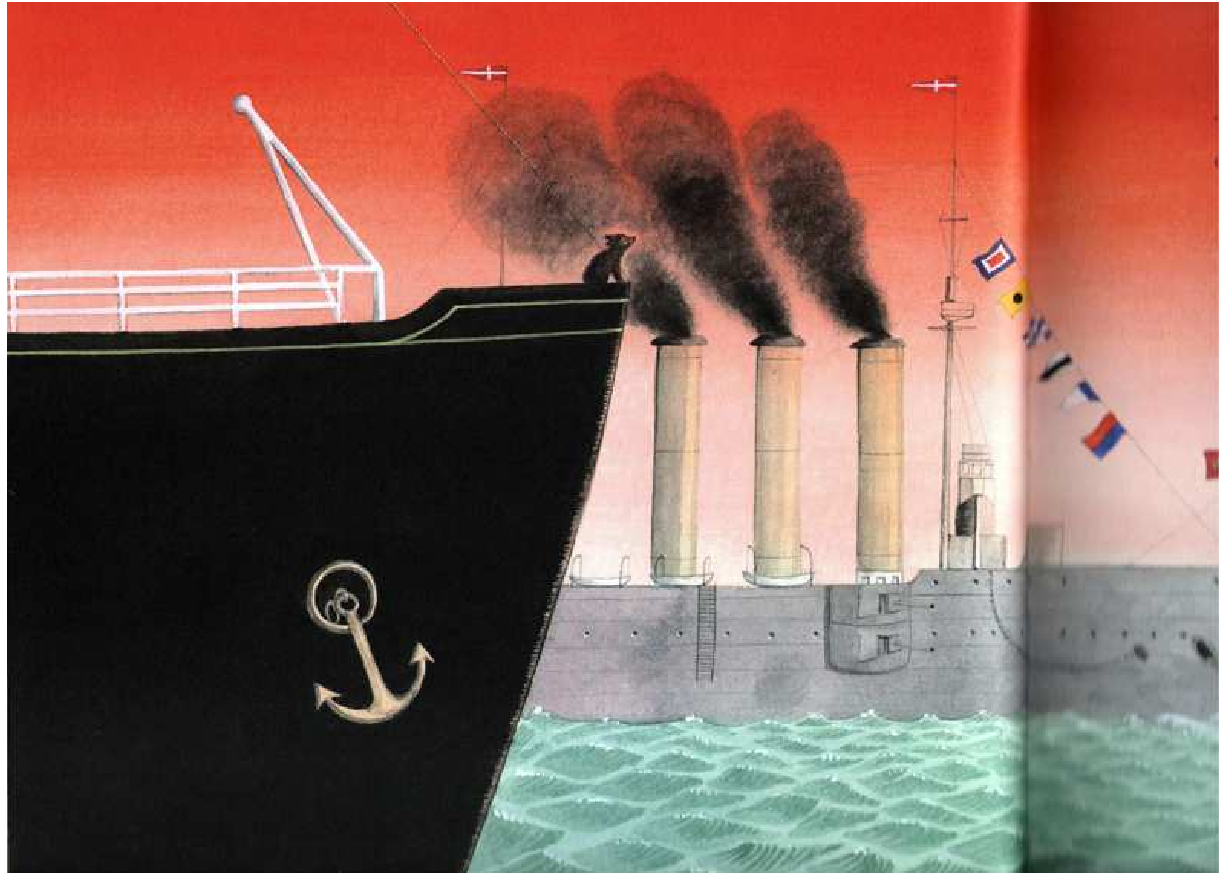

H.C.

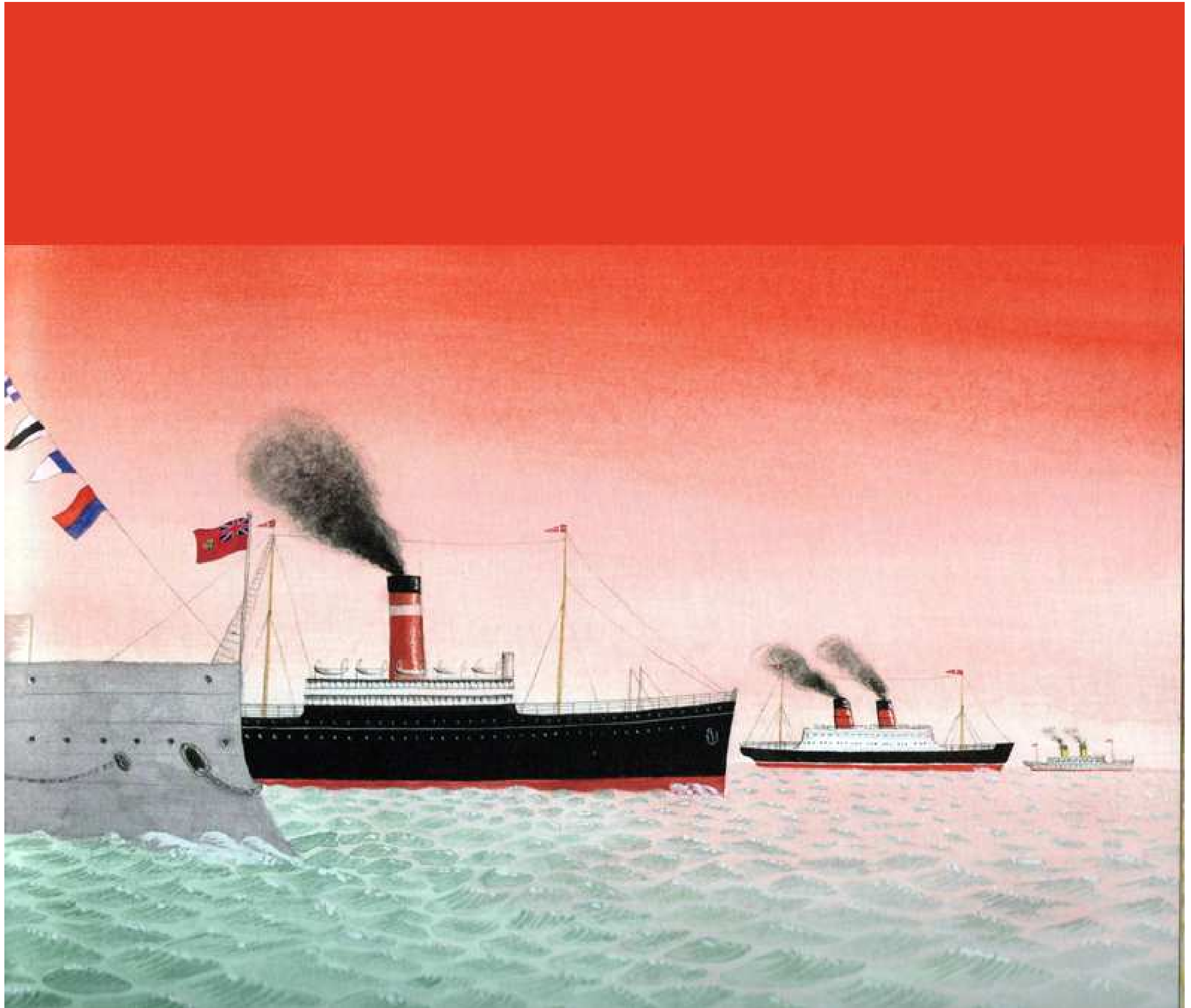
दिन भर के काम के बात हैरी और विन्नी दोनों थक कर चूर-चूर हो जाते.

जब हैरी ने विन्नी को समुद्र पार ले जाने की सोची तो तार्किक स्तर पर उसे यह बात गलत लगी. “पर मैं विन्नी को छोड़कर कैसे जा सकता हूँ?”

उसने खूब सोचा, और फिर अपने दिल की बात सुनी.







इससे पहले इतने सारे लोगों और जानवरों ने, कभी भी एक साथ अटलांटिक महासागर की यात्रा नहीं की थी. तीस जहाजों में 36,000 सैनिक, 7,500 घोड़े थे, और साथ में विन्नी नाम का एक भालू भी सवार था.



इंग्लैंड पहुँचने के बाद उनका रेजिमेंट ट्रेनिंग के लिए सेलिस्बरी प्लेन पहुंचा. वहां दिन-रात बारिश और बारिश ही होती थी.

पर विन्नी को इससे कुछ फर्क नहीं पड़ा. अब वो सेकंड कैनेडियन इन्फेंट्री ब्रिगेड का प्रतीक चिन्ह बन चुका था, और वो अपनी ड्यूटी बड़ी ईमानदारी से निभाता था. एक दिन हैरी उसके तम्बू में गया तो विन्नी बड़ी लगन से वर्जिश कर रहा था. "ऐसा मत करो, नहीं तो पूरा तम्बू गिर जायेगा!" हैरी ने हँसते हुए कहा. अब विन्नी का डील-डौल काफी बढ़ चुका था.





सर्दियाँ आते ही फौजी फरमान आ गया - सैनिकों को फ्रंट पर लड़ने के लिए जाने का हुक्म. तब सैनिकों ने विन्नी के साथ अपनी फोटो खिंचवाई और फिर उन्हें गर्व से घर के लोगों के पास भेजा.

फिर हैरी ने बहुत सोचा. अंत में बहुत सोच-समझ कर उसने अपना मन बनाया.

वो विन्नी के पास गया और उसने गंभीर शब्दों में उससे कहा, “अब तुम्हें कहीं और जाना होगा.” विन्नी ने अपने नथुनों की मिटटी झाड़ी और फिर वो हैरी से आकर चिपक गया.







हैरी विन्नी को गाड़ी में बिठाकर एक बड़े शहर में ले गया.

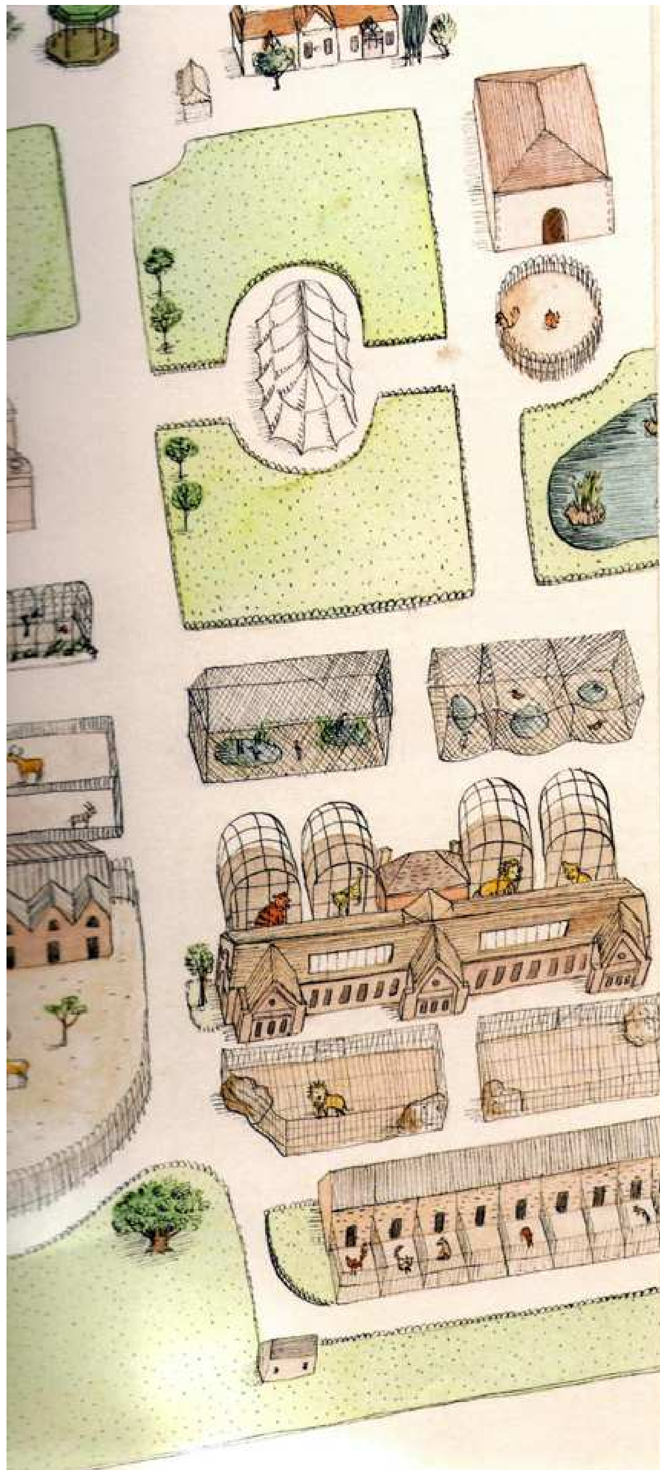
फिर हैरी ने एक लम्बी साँस ली.
"विन्नी, कुछ समय के लिए यही तुम्हारा घर होगा," उसने कहा.
विन्नी ने अपनी गर्दन झुका ली.
"मैं अपनी सैनिक टुकड़ी के साथ जहाज़ से फ्रांस जा रहा हूँ," हैरी ने समझाते हुए कहा. "वहां जंग के मैदान में मुझे घोड़ों की देखभाल करनी होगी."
विन्नी ने हैरी के कंधे पर अपना सिर झुका कर रखा.

"मैं जानता हूँ की तुम मेरे साथ आना चाहते हो, पर लड़ाई का मैदान कोई सुरक्षित जगह नहीं है."
विन्नी मुंह नीचे लटकाए रहा. हैरी के हाथ हमेशा की तरह सूरज की किरणों जैसे गर्म थे.
"एक बात तुम हमेशा याद रखना," हैरी ने कहा. "क्यूंकि असल में यही सबसे महत्वपूर्ण बात है. चाहें हम कितनी भी दूर रहें, पर मैं तुमसे हमेशा प्यार करूंगा. तुम हमेशा मेरे भालू बने रहोगे."











"क्या यहीं कहानी ख़त्म होती है?"

"हाँ, यही हैरी और विन्नी की कहानी का अंत है," मैंने कहा.

"पर मैं चाहता हूँ कि कहानी यहाँ ख़त्म न हो," कोल ने कहा.

"कभी-कभी," मैंने कहा, "हमें एक कहानी को ख़त्म करना चाहिए, जिससे कि दूसरी कहानी शुरू हो सके."

"इसके बारे में हमें कब पता चलेगा?"

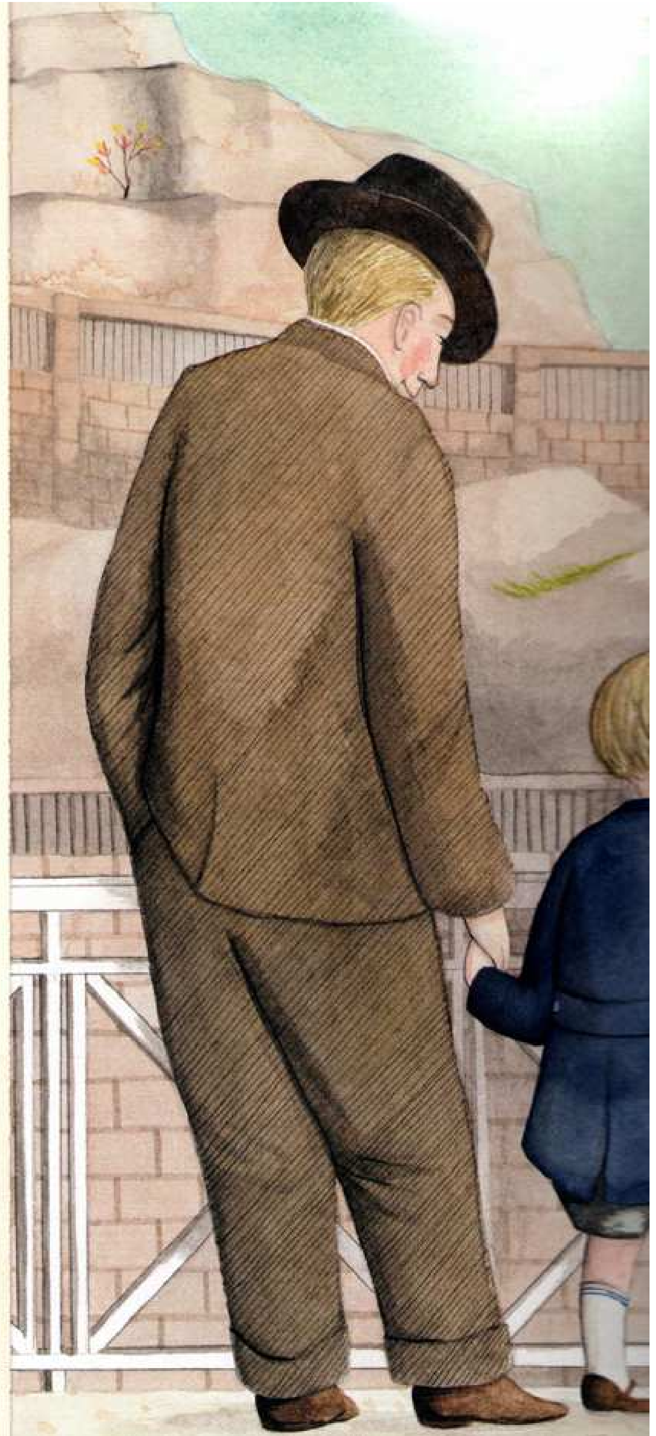


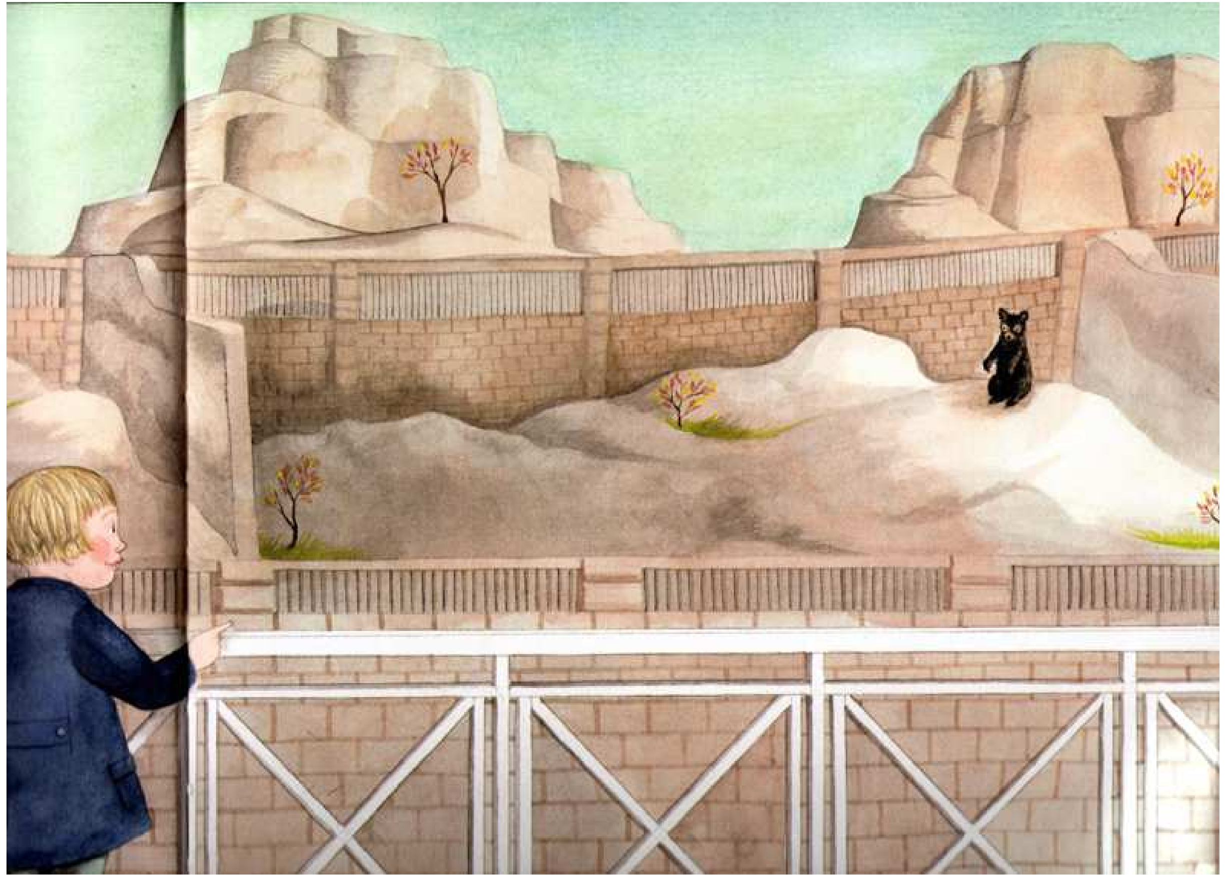
पुराने ज़माने की बात है, एक छोटा लड़का था जिसके पास एक स्टफ्ड (रुई से भरा) भालू था. जब वो बहुत छोटा था तभी से उसके पास वो भालू था. परन्तु वो लड़का अपने भालू के लिए कभी भी एक अच्छा नाम नहीं खोज पाया. उसने टेडी, एडवर्ड और बिग-बेअर के नाम से उसे बुलाने की कोशिश की, पर उसे कोई नाम नहीं जंचा.



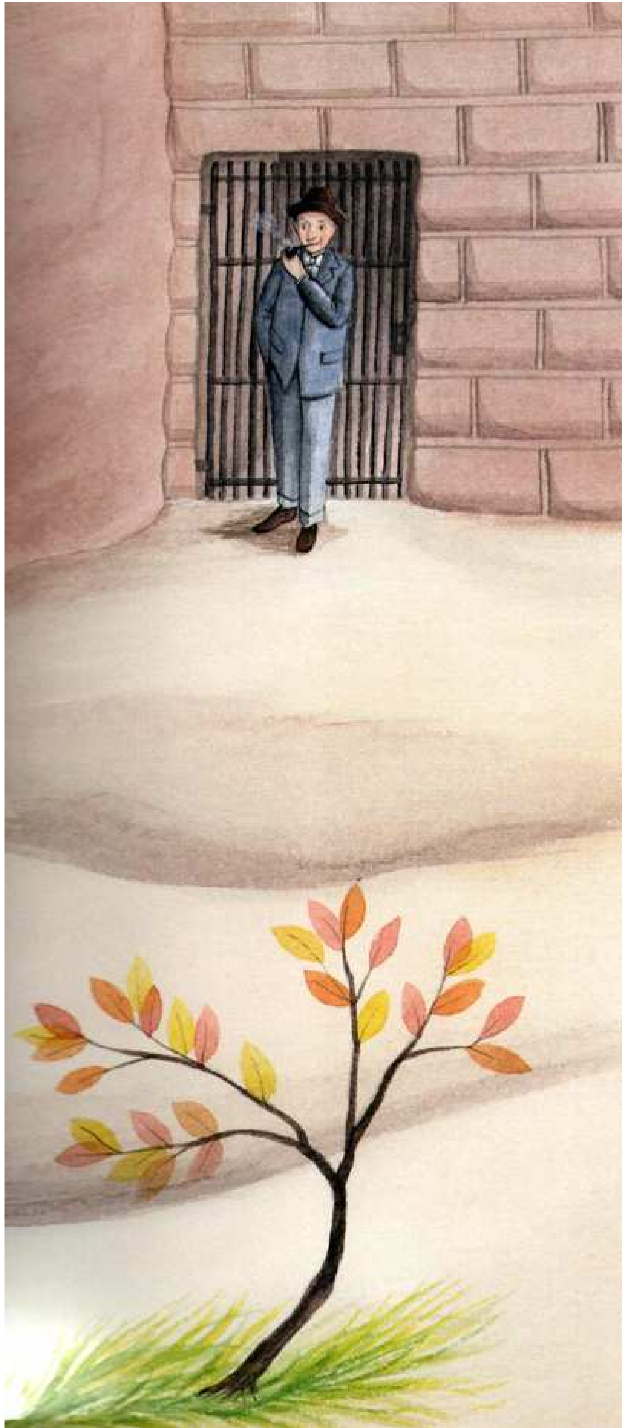
एक दिन वो लड़का अपने पिता के साथ लन्दन का चिड़ियाघर देखने गया. वहां उसे एक भालू दिखा - एकदम असली भालू. तुरंत उस लड़के के दिमाग में एक विचार आया.
“इस भालू में ज़रूर कोई ख़ास बात है.” उस भालू का नाम विन्नी था. फिर उस लड़के और विन्नी में सच्ची दोस्ती हो गयी. लड़के को पिंजरे के अन्दर जाकर भालू से खेलने की इज़ाज़त तक मिली.
विन्नी से मुलाकात के बाद लड़के को अपने स्टफ्ड भालू को नामकरण में कोई दिक्कत नहीं हुई. उसने उसका नाम विन्नी-द-पूह रखा.
और उस लड़के का नाम था -
“कोल?” कोल ने कहा.











उस लड़के का नाम था क्रिस्टोफर रोबिन मिल्नस. क्रिस्टोफर रोबिन, विन्नी से चिड़ियाघर में मिलने आता. उसके बाद वो स्टफ्ड भालू को अपने घर के पीछे के जंगल में तमाम साहसिक कारनामों के लिए ले जाता. उसके पिता का नाम था एलन एलेग्जेंडर मिल्नस. वो एक बहुत मशहूर लेखक थे.

हैरी का विन्नी अब, विन्नी-द-पूह बन गया था - दुनिया में उससे ज्यादा प्यारा भालू और कोई नहीं था.



"पर फिर हैरी का क्या हुआ," कोल ने पूछा.



जब हैरी, विन्नी को चिड़ियाघर में मिलने पहुंचा, तो उसने देखा कि विन्नी वहां बहुत खुश था. लोग उसकी अच्छी देखभाल करते और प्यार करते. जब हैरी पहली बार विन्नी को मिला था, तबसे उसकी यही दिली तमन्ना थी.

पहला महायुद्ध के ख़त्म होने के बाद, हैरी अपने शहर विन्नीपिग में वापिस लौटा और वहां पशु-चिकित्सक जैसे उसने अपनी पूरीं जिंदगी बिताई.

कुछ समय बाद उसने शादी की और उसके फ्रेड नाम का बेटा हुआ, फ्रेड की बेटी का नाम था लौरीन, और लौरीन की एक बेटी थी जिसका नाम था लिंडसे.

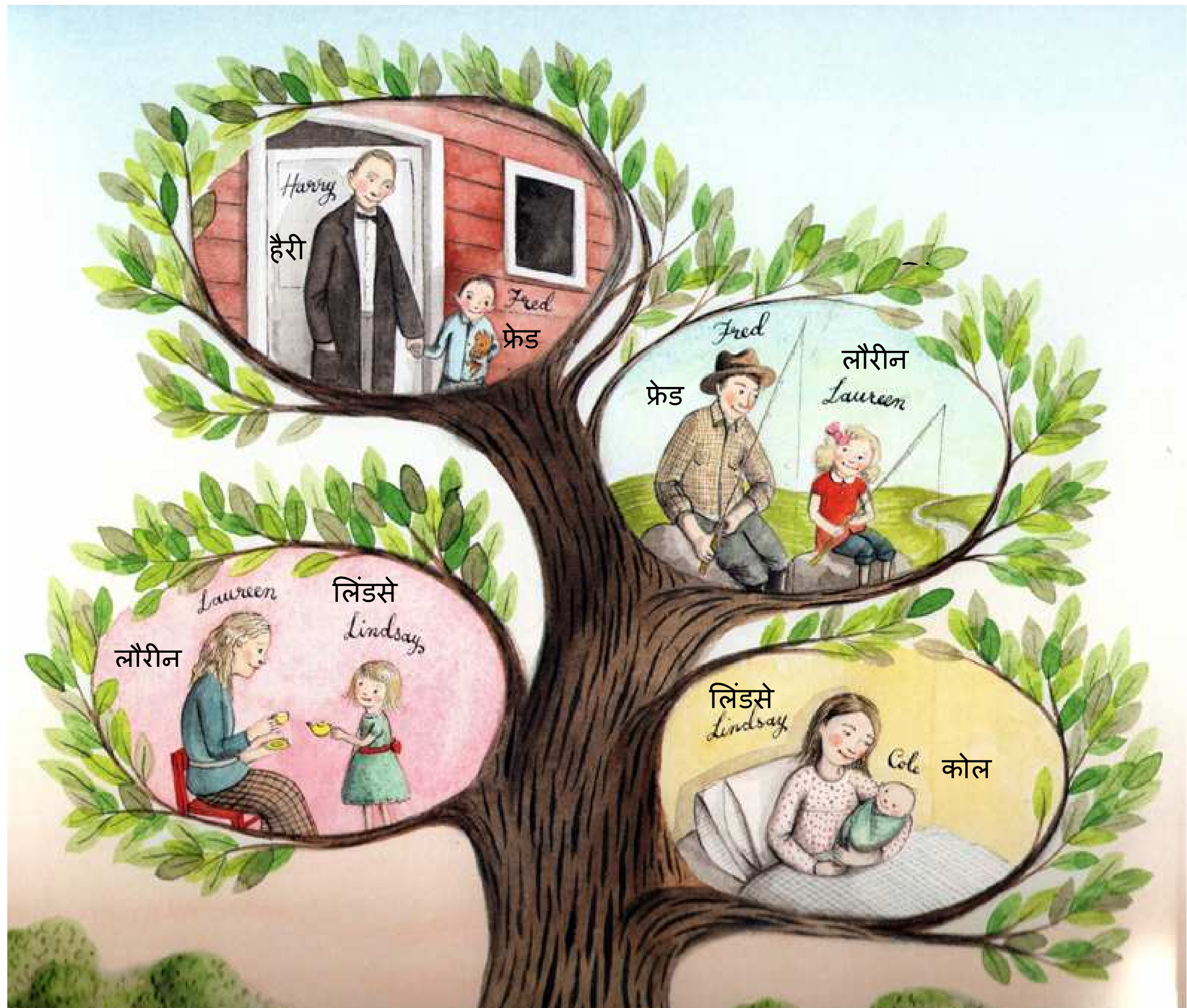
वो लिंडसे कौन है - मैं हूँ.

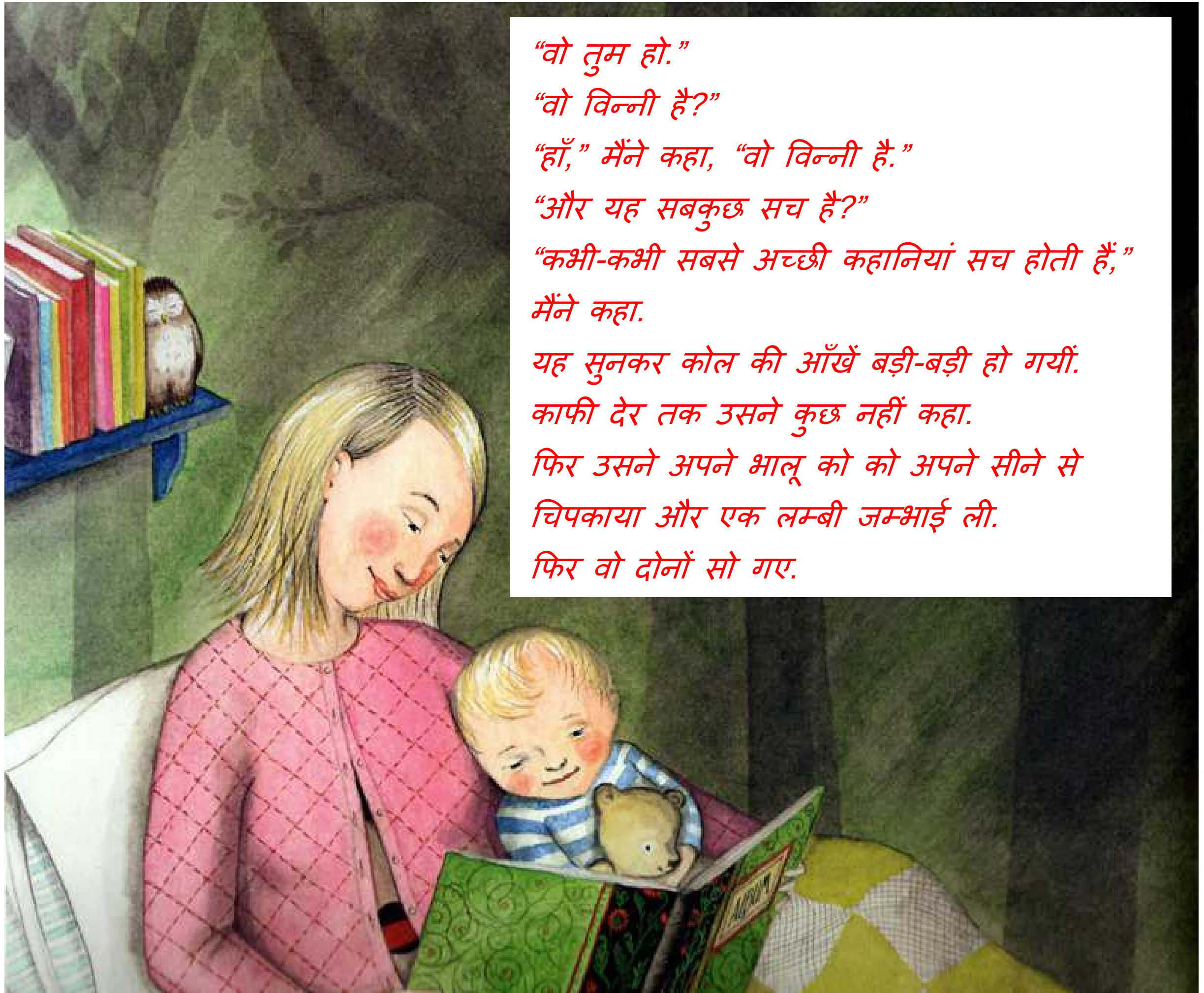
फिर मेरा एक बेटा हुआ.

जब मैंने तुम्हे देखा तो मैंने सोचा, “इस लड़के में ज़रूर कोई खास बात है.” इसलिए मैंने तुम्हारा नाम, तुम्हारे परदादा - कप्तान हैरी कोलबौर्न के नाम पर रखा.

मैंने तुम्हारा नाम - कोल रखा.




Harry
हैरी
Fred
फ्रेड
Fred
फ्रेड
लौरीन
Laureen
Laureen
लौरीन
लिंडसे
Lindsay
लिंडसे
Lindsay
Cole
कोल


"वो तुम हो."
"वो विन्नी है?"
"हाँ," मैंने कहा, "वो विन्नी है."
"और यह सबकुछ सच है?"
"कभी-कभी सबसे अच्छी कहानियां सच होती हैं,"
मैंने कहा.
यह सुनकर कोल की आँखें बड़ी-बड़ी हो गयीं.
काफी देर तक उसने कुछ नहीं कहा.
फिर उसने अपने भालू को को अपने सीने से
चिपकाया और एक लम्बी जम्भाई ली.
फिर वो दोनों सो गए.


एल्बम



हैरी - युवा फौजी की यूनिफार्म.

हैरी ने पहले महायुद्ध के दौरान अपनी डायरी लिखी. यह डायरी 1914 की है - जो युद्ध का पहला साल था.

डायरी का वो पन्ना जब हैरी पहली बार विन्नी से मिला. 24 अगस्त 1914 को हैरी ने लिखा, “आज 20 डॉलर का भालू खरीदा.”

विन्नी के खम्बे के पास खड़े तीन फौजी.

ख़ुशी-ख़ुशी खाना खाते विन्नी और हैरी.







हैरी अन्य फौजी साथियों के साथ - अपने प्रतीक विन्नी के साथ.



इस चित्र से प्रेरित होकर यादगार मूर्तियाँ बनीं - जो अब विन्नीपिग और लन्दन में स्थापित हैं.



विन्नीपिग में स्मारक का उद्‌घाटन 1992 में हुआ.



विन्नी और क्रिस्टोफर रोबिन का यह फोटो 1925 में लन्दन चिड़ियाघर में ली गयी. तब तक दोनों पक्के दोस्त बन चुके थे. क्रिस्टोफर के पिता ए. ए. मिल्नस, दोनों को ऊपर से खेलता देख रहे हैं.

लन्दन चिड़ियाघर के रजिस्टर के अनुसार विन्नी 9 दिसम्बर 1914 को वहां आया.

No. 1 — Mappin Terrace HOUSE.
Winnie
American NAME. Black Bear — SEX. ♀
Ursus americanus
HABITAT. White River, Ontario — Dec. 1. 1919
HOW ACQUIRED. Pres^d. by Capt. Harry Colebourne, C.A.V.C.
Depos^d. by the 2^nd Infantry Brigade Canadian Contingent
DATE OF ARRIVAL. Dec. 9. 1914
METHOD & DATE OF DEPARTURE. Died 12. 5. 34.
~~327~~ 382

लिंडसे और कोल 2013 में.
हमें पता था कि उस लड़के में कोई ख़ास बात है.



लिंडसे मैटटिक यह सोच कर बड़ी हुईं जैसे विन्नी-द-पूह उसका परदादा-भालू हो. उन्होंने विन्नी की कहानी को रेडियो डाक्यूमेंट्री के रूप में पेश किया है. उन्होंने इस पर एक प्रदर्शनी भी बनायी जो हैरी और विन्नी के प्रथम महायुद्ध के अनुभवों के बारे में है. यह प्रदर्शनी पूरे इंग्लैंड में घूमी. वो अपने परिवार के साथ टोरंटो, कनाडा में रहती हैं.

सोफी ब्लैकआल बहुत मशहूर चित्रकार हैं जिसके लिए उन्हें अनेकों अंतरराष्ट्रीय पुरुस्कार मिले हैं.




ALBUM